दैनिक
# न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

**आवश्यक सूचना**

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 06 फरवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 129

## अंतर्राष्ट्रीय

### हत्या की कोशिश की तो पूरा ईरान खत्म हो जाएगा, डोनाल्ड ट्रंप ने दी खुली धमकी

**वाशिंगटन ।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि यदि ईरान उनकी हत्या का प्रयास करता है, तो अमेरिका पूरे देश को खत्म कर देगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इस संदर्भ में अपने सलाहकारों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दे दिए हैं। उनके अनुसार, अगर ईरान द्वारा कोई हमला होता है तो अमेरिका ईरान के खिलाफ कठोर सैन्य कार्रवाई करेगा। इस बीच, अमेरिकी अधिकारियों ने मंगलवार को यह संकेत दिया कि परमाणु हथियार निर्माण के आरोपों को लेकर ईरान पर दबाव बढ़ाने की नीति लागू की जा रही है। यह कदम क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति और तनाव को और बढ़ा सकता है। अमेरिकी नीति निर्धारकों के अनुसार, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंता बनी हुई है और इस दिशा में उठाये गए कदमों से भविष्य में और कड़े प्रतिबंधों की संभावना जताई जा रही है। तेहरान पर अधिक से अधिक दबाव डालने के आदेश पर ट्रंप ने हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा, 'अगर वो ऐसा करते हैं, तो वो पूरी तरह से खत्म हो जाएंगेज! कुछ भी नहीं बचेगा।' खबर है कि साल 2020 में ट्रंप ने स्ट्राइक के निर्देश दिए थे, जिसमें ईरान के इस्लामिक रिवॉल्युशनरी गार्ड कॉर्प्स के नेता कासिम सुलेमानी की मौत हो गई थी। अधिकारी लंबे समय से ट्रंप और अन्य के खिलाफ ईरान की धमकियों पर नजर रख रहे हैं।

### स्वीडन के स्कूल में चली ताबड़तोड़ गोलियां, 11 की मौत

**हेलसिंकी ।** स्वीडिश अधिकारियों ने पुष्टि की है कि ओरेब्रो के एक स्कूल में हुई सामूहिक गोलीबारी में 11 लोग मारे गए हैं। इसे देश के प्रधानमंत्री ने स्वीडन के इतिहास का सबसे घातक हमला बताया है। स्वीडिश प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने मंगलवार देर रात एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि स्वीडन के मध्य ओरेब्रो में स्कूल में हुई गोलीबारी देश के इतिहास की सबसे बड़ी सामूहिक गोलीबारी है। इससे पहले स्वीडिश पुलिस ने मंगलवार शाम को पुष्टि की कि गोलीबारी में लगभग दस लोग मारे गए। यह घटना ओरेब्रो स्थित रिसबर्गस्का स्कोलन नामक शिक्षा केंद्र में हुई। पुलिस के अनुसार, मृतकों में संदिग्ध शूटर भी शामिल है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि जांच और आगे की तलाश जारी है। अधिकारियों ने कहा कि पीड़ितों की सही संख्या अभी भी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, शुरुआती निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि संदिग्ध ने अकेले ही यह काम किया।

### दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में बीएपीएस हिंदू मंदिर और सांस्कृतिक परिसर का उद्घाटन

**जोहान्सबर्ग ।** दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर और सांस्कृतिक परिसर का उद्घाटन भव्य और ऐतिहासिक समारोह के साथ हुआ। यह दक्षिण अफ्रीका के हिंदू समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण साबित हुआ। इस उद्घाटन समारोह की शुरुआत 1 फरवरी (शनिवार) को एक भव्य नागर यात्रा (शोभायात्रा) से हुई, जिसमें सडक़ों पर भक्तों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ पवित्र मूर्तियों की झांकी निकाली। इस यात्रा में भक्तों ने भजन-कीर्तन, नृत्य, और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ उत्सव मनाया। शोभायात्रा का माहौल भक्ति, एकता और आनंद से भरपूर था। इसके बाद, 2 फरवरी (रविवार) को पवित्र मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा का समारोह संपन्न हुआ।

# महाकुंभ में पीएम मोदी ने संगम के त्रिवेणी घाट पर लगाई 11 डुबकी

**प्रयागराज ।** आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को प्रयागराज महाकुंभ पहुंचे और त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। डुबकी लगाने के बाद पीएम मोदी ने गंगा पूजन किया।

पंडित राजेश कुमार तिवारी (आचार्य तीर्थ पुरोहित (प्रयागराज) ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज संगम के त्रिवेणी घाट पर स्नान किया। उन्होंने 11 डुबकी लगाई और 108 मंत्रों का जाप किया। नजरा बहुत अद्भुत था। पीएम मोदी ने देश और जनकल्याण के लिए पूजा अर्चना की। इस मौके पर सीएम योगी भी उनके साथ थे। पीएम मोदी ने हम लोगों के साथ पूजा की।

पीएम मोदी के आने से यहां पर किसी को कोई असुविधा या परेशानी नहीं हुई। त्रिवेणी संगम में पीएम मोदी ने स्नान किया और पूजा की। इस दौरान बराबर स्नान चलता रहा। आज अष्टमी का दिन है। साल 2019 में भी पीएम मोदी यहां

आए थे, तब भी अष्टमी का दिन था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वभाव ही उन्हें सभी नेताओं से अलग बनता है। इतने बड़े पद पर होने के बावजूद भी वह गंगा स्नान के लिए यहां पर पहुंचे। उन्होंने सनातन धर्म की उन्नति के लिए पूजा अर्चना की। वह अपने साथ कुछ सामान लेकर आए थे, जिसे उन्होंने गंगा में प्रवाहित किया। उसमें फल, दही समेत कई अन्य चीजें शामिल थीं।

स्थानीय निवासी रामसकल तिवारी ने कहा कि महाकुंभ में पीएम मोदी और सीएम योगी आए थे। उन्होंने स्नान और पूजा पाठ किया। यहां पूरी सभा लगा थी, यहां पर उन्होंने सभी को संबोधित किया और इसके बाद चले गए।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ का माहपर्व चल रहा है। इसलिए पीएम मोदी यहां आए और स्नान किया और चले गए। उनके आने के किसी को कोई परेशानी नहीं हुई। बहुत शांति से स्नान हुआ। तिवारी ने तारीफ करते हुए कहा कि पीएम मोदी और सीएम योगी दोनों अच्छे हैं।

**संगम में डुबकी लगाने के बाद बोले पीएम मोदी, 'करोड़ों लोगों की तरह, मैं भी भक्ति भावना से भर गया**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में पवित्र त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान उन्होंने हाथ में रुद्राक्ष लेकर मंत्रोच्चारण भी किया। साथ ही गंगा मैया में डुबकी लगाने के बाद उन्होंने भगवान भास्कर को अर्घ्य भी दिया। पीएम मोदी ने महाकुंभ में डुबकी लगाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने विचार साझा किए। साथ ही कई फोटो भी शेयर की।

पीएम मोदी ने कहा कि संगम पर स्नान दिव्य जुड़ाव का एक क्षण है और इसमें भाग लेने वाले करोड़ों लोगों की तरह, मैं भी भक्ति की भावना से भर गया। उन्होंने पवित्र त्रिवेणी संगम में स्नान करने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक के बाद एक कई पोस्ट किए।

उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, प्रयागराज महाकुंभ में आज पवित्र संगम में स्नान के बाद पूजा-अर्चना का परम सौभाग्य मिला। संगम पर स्नान दिव्य जुड़ाव का क्षण है और इसमें भाग लेने वाले करोड़ों लोगों की तरह मैं भी भक्ति की भावना से भर गया। मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मन को असीम शांति और संतोष मिला है। उनसे समस्त देशवासियों की सुख-समृद्धि, आरोग्य और कल्याण की कामना की। हर-हर गंगे!

दूसरे पोस्ट में उन्होंने लिखा, प्रयागराज के दिव्य-भव्य महाकुंभ में आस्था, भक्ति और अध्यात्म का संगम हर किसी को अभिभूत कर रहा है। पावन-पुण्य कुंभ में स्नान की कुछ तस्वीरेंज्

प्रयागराज पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने किया।

इससे पूर्व पीएम मोदी ने महाकुंभ की शुरुआत से एक माह पूर्व 13 दिसंबर को प्रयागराज का दौरा किया था और 5,500 करोड़ रुपए की 167 परियोजनाओं की सौगात दी थी। इसमें यात्री सुविधाओं के लिए रेलवे स्टेशनों के अपग्रेडेशन और डेवलपमेंट के साथ-साथ आरओबी फ्लाईओवर, सडक़ों का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और सौंदर्यीकरण की प्रमुख परियोजनाएं शामिल थीं। इसके अतिरिक्त, स्थायी घाटों, रिवर फ्रंट, सीवरेज, पेयजल सुविधाओं के साथ विद्युत आपूर्ति से जुड़ी परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया गया था।

उल्लेखनीय है कि 13 जनवरी से प्रारंभ हुए महाकुंभ में अब तक वीवीआईपी मूवमेंट के बावजूद श्रद्धालुओं को संगम स्नान में कहीं कोई दिक्कत नहीं आ रही है। इसी का नतीजा है कि मात्र 24 दिनों में अब तक 39 करोड़ श्रद्धालु संगम में पावन डुबकी लगा चुके हैं।

## अवैध प्रवासियों को लेकर अमृतसर पहुंचा अमेरिकी विमान, 104 लोगों में 13 बच्चे भी शामिल

**अमृतसर ।** आरएनएस

अमेरिका से अवैध रूप से रह रहे 205 भारतीय प्रवासियों को डिपोर्ट किया गया है। इनमें से 104 लोगों को लेकर स् मिलिट्री का विमान 17 अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा है। इन सभी को अमेरिकी अधिकारियों ने देश से निर्वासित कर दिया है। जानकारी के अनुसार, इन प्रवासियों को अमेरिकी सेना का सी-17 हरक्युलिस विमान लेकर भारत लाया गया है। अमेरिका ने हाल ही में भारत के अलावा ब्राजील, मेक्सिको समेत कई अन्य देशों से आए अवैध प्रवासियों को भी देश से बाहर निकाला है।

अधिकारी ने बताया कि प्लेन में कुल 104 भारतीय हैं जिनमें 13 बच्चे, 79 पुरुष और 25 महिलाएं हैं। इन भारतीयों में से 33 लोग गुजरात से हैं जो अमृतसर एयरपोर्ट के भीतर ही रहेंगे और इन्हें वहीं से सीधे गुजरात भेजा जाएगा। इसके अलावा 30 पंजाब से हैं। दो-दो यात्री उत्तर प्रदेश और चंडीगढ़ से हैं. जबकि तीन महाराष्ट्र से हैं।

अमेरिकी प्रशासन अवैध प्रवास पर लगाम लगाने के लिए कड़े कदम उठा रहा है। इसी कड़ी में अमेरिका ने भारत में रह रहे कई भारतीयों को अवैध पाते हुए उन्हें देश से निकालने का फैसला किया है। इनमें से अधिकांश लोग पंजाब के रहने वाले हैं।

अमृतसर एयरपोर्ट पर इन प्रवासियों के पहुंचने से पहले से ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। इन सभी प्रवासियों की पहचान की जा रही है और आवश्यक कागजी कार्रवाई की जा रही है। अमेरिका ने केवल भारत ही नहीं बल्कि ब्राजील, मेक्सिको समेत कई अन्य देशों से भी अवैध प्रवासियों को निर्वासित किया है। इसके अलावा, जिन लोगों की नागरिकता का सत्यापन नहीं हो पा रहा है, उन्हें ग्वांतानामो बे समेत कई जेलों में रखा जा रहा है।

## जयपुर एयरपोर्ट पर बड़ा खुलासा : नशे में प्लेन उड़ाने पहुंचा पायलट, यात्रियों की जान जोखिम में डालने की कोशिश

**जयपुर ।** आरएनएस

जयपुर एयरपोर्ट पर सुबह एक ऐसा वाकया सामने आया, जिसने सुरक्षा के इंतजामों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। एक चार्टर विमान के पायलट को ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट में नशे में पाया गया। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए पायलट को विमान उड़ाने से रोक दिया।यह चार्टर विमान, जो दिल्ली की एक निजी कंपनी का था, जयपुर से हैदराबाद के लिए सुबह 9:30 बजे उड़ान भरने वाला था। पायलट सुबह 9:15 बजे फाइनल सिक्योरिटी चेक के लिए पहुंचा, जहां नियमित ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट के दौरान उसकी हालत संदिग्ध पाई गई। टेस्ट रिपोर्ट में

अल्कोहल की मात्रा मिलने पर उसे तुरंत ड्यूटी से हटा दिया गया।

इस घटना के चलते हैदराबाद जाने वाले यात्रियों को लगभग दो घंटे की देरी का सामना करना पड़ा। जैसे ही यह खबर यात्रियों तक पहुंची, उनमें घबराहट और गुस्सा देखा गया। एयरलाइंस कंपनी ने स्थिति को संभालते हुए जल्द ही एक वैकल्पिक पायलट की व्यवस्था की और विमान को रवाना किया।

एयरपोर्ट अथॉरिटी की पूछताछ में पायलट ने कहा कि उसने एक दिन पहले दवाई ली थी, जिसकी वजह से ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट में अल्कोहल का स्तर बढ़ा हुआ दिखा। लेकिन प्रशासन इस तर्क से संतुष्ट नहीं है और घटना की विस्तृत जांच कर रहा है।

एविएशन के नियमों के अनुसार, किसी भी पायलट को नशे की हालत में विमान उड़ाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। यह यात्रियों और विमान क्रू के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है।

एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, पायलट के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है। यह मामला एयरलाइंस कंपनी और एविएशन अथॉरिटी के सामने लाया गया है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

सवाल जो उठते हैंक्या एयरलाइंस कंपनी की ओर से पायलट्स की नियमित मेडिकल जांच पर्याप्त है?ऐसे मामलों में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए और क्या कदम उठाए जा सकते हैं?

इस घटना ने एक बार फिर साबित किया है कि सुरक्षा से जुड़ी कोई भी चूक गंभीर परिणाम ला सकती है। एयरपोर्ट अथॉरिटी और एविएशन कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति न हो।

**जयपुर में स्कूल बस हादसा**

## पुलिया से गिरी बस, 12वीं की छात्रा की मौत, 9 बच्चे गंभीर रूप से घायल

**जयपुर ।** आरएनएस

जयपुर-बीकानेर हाईवे पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। चौमूं में वीर हनुमान मार्ग पुलिया के पास स्कूल बस का ब्रेक फेल हो गया, जिससे बस अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे गिर गई। इस हादसे में 12वीं कक्षा की छात्रा कोमल देवंदा (18) की मौत हो गई, जबकि 9 बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। गंभीर रूप से घायल बच्चों को जयपुर के सिद्धि विनायक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 7:30 बजे हुआ। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अनुराग शर्मा और रवि शर्मा ने बताया कि वे खेल स्टेडियम में मॉर्निंग वॉक कर रहे थे, तभी

अचानक तेज धमाके की आवाज आई और बस पलट गई। वे मौके पर पहुंचे, तो बच्चे चीख-पुकार कर रहे थे। तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी गई।

घायलों में सुमित चौधरी, अंकिता कुमावत, मनीषा चौधरी, रवि शर्मा, संजीव बुनकर, देवेश कुंदल, तनु प्रजापत, वंश वर्मा और अक्षिता चौधरी शामिल हैं। सभी घायलों को सिद्धि विनायक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

घटना के बाद बस ड्राइवर मौके से फरार हो गया। इस हादसे को लेकर स्थानीय लोगों में जबरदस्त गुस्सा है। लोगों का कहना है कि परिवहन विभाग ओवरलोड और बिना फिटनेस वाली बसों पर ध्यान नहीं देता, जिससे इस तरह के हादसे हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने स्कूल प्रशासन पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि बस स्कूल की नहीं, बल्कि किराए पर ली गई थी। नियमों के अनुसार स्कूल बस का रंग पीला होना चाहिए और उसमें परिचालक होना चाहिए, लेकिन इन सभी नियमों की अनदेखी की गई।

घटना की सूचना मिलते ही जयपुर डीसीपी वेस्ट अमित कुमार बुडानिया मौके पर पहुंचे और घायलों की हालत जानी। इसके अलावा एसीपी अशोक चौहान, थाना प्रभारी गणेश सैनी, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा और भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शर्मा भी अस्पताल पहुंचे और परिजनों से मुलाकात की।

हादसे के बाद स्कूल प्रशासन की ओर से कोई भी मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे अभिभावकों और स्थानीय लोगों में जबरदस्त आक्रोश है। लोग स्कूल प्रशासन को मौके पर बुलाने की मांग करने लगे और चौमूं के सरकारी अस्पताल के बाहर धरने पर बैठ गए।

प्रशासन ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। पुलिस ड्राइवर की तलाश कर रही है और स्कूल प्रशासन से भी जवाब तलब किया जाएगा। परिवहन विभाग की लापरवाही को लेकर भी जांच होगी, ताकि आगे इस तरह के हादसों को रोका जा सके।

इस हादसे ने परिवहन विभाग, स्कूल प्रशासन और सुरक्षा उपायों की पोल खोलकर रख दी है। अब देखना होगा कि प्रशासन क्या कार्रवाई करता है या फिर यह मामला भी अन्य हादसों की तरह फाइलों में ही दबकर रह जाएगा।

## भगवान वेंकटेश्वर की पवित्रता का सवाल है,' तिरुपति मंदिर से 18 गैर हिंदू कर्मचारियों की छुट्टी

**नई दिल्ली ।** आरएनएस

तिरुमला तिरूपति देवस्थानम, तिरूपति मंदिर की संचालक संस्था ने 18 गैर-हिंदू कर्मचारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इन सभी कर्मचारियों को ट्रांसफर लेने या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का विकल्प चुनने के लिए कहा गया है। बोर्ड ने कहा कि यह निर्णय अपने मंदिरों और धार्मिक गतिविधियों की आध्यात्मिक पवित्रता को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

बोर्ड का मानना है कि मंदिर की धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में हिंदू धर्म के अनुयायियों की भागीदारी आवश्यक है। तिरुमला तिरूपति देवस्थानम (टीटीडी) ने 18 कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के आदेश जारी किए हैं। इन कर्मचारियों पर आरोप है कि वे टीटीडी के त्योहारों और अनुष्ठानों में भाग लेने के साथ-साथ गैर-हिंदू धार्मिक गतिविधियों में भी भाग ले रहे हैं।

टीटीडी बोर्ड ने हाल ही में एक संकल्प लिया है जिसमें ऐसे कर्मचारियों को दो विकल्प दिए गए हैं- सरकारी विभागों में स्थानांतरित होना, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के माध्यम से बाहर निकलना। टीटीडी कहना है कि धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों की पवित्रता को बनाए रखना है।

## बनारस काशी विशववनाथ कोरिडोर के तर्ज पर होगा बाबा हरिहरनाथ मंदिर भी

**सोनपुर ।** आरएनएस

बाबा हरिहरनाथ मंदिर को बनारस काशी विशववनाथ के कोरिडोर के तर्ज पर मंदिर के समर्ग विकास के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा स्वीकृति मिलने पर जिले मे ख़ुशी की लहर दौड़ गई है। इस मांग को पूर्व केंद्रीय मंत्री और स्थानीय सांसद राजीव प्रताप रूडी भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से कर रहे थे, जिसके बाद आज स्वीकृति मिलने पर भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूढ़ी के सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह मंदिर सचिव विजय लाला उपाध्यक्ष बिनोद सम्राट कोषाध्यक्ष निर्भय सिंह मुखिया प्रतिनिधि विक्रम सिंह अमरेंद्र सिंह पंचायत समिति राहुल सिंह रंजीत सिंह मिथलेश सिंह अधिवक्ता नवल सिंह लालबाबू कुशवाहा मंडल अध्यक्ष मुकेश सिंह दीपक शर्मा बबलू सिंह वरिष्ठ सत्यनारायण सिंह मोनू सिंह राहुल सिंह युवा मोर्चा आशुतोष सिंह सहित सैकड़ो लोगो ने इस कार्य के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सांसद राजीव प्रताप रूडी बिहार सरकार सचिव अमृत लाल मीणा को धन्यवाद दिया इस अवसर पर अभीभावक सत्यनारायण सिंह ने सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह को अंग वस्त्र देकर बधाई दिया इस अवसर पर सुशीलचंद्र शास्त्री सदानंद बाबा पवन बाबा बमबम बाबा गुड्डू पांडेय भरत पांडेय बादल पाण्डेय सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

## वित्त मंत्रालय की कर्मचारियों को चेतावनी, चैटजीपीटी और डीपसीक का न करें इस्तेमाल

**नई दिल्ली ।** आरएनएस

वित्त मंत्रालय ने अपने कर्मचारियों से कहा कि वे आधिकारिक काम के लिए चैटजीपीटी और डीपसीक जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल का इस्तेमाल न करें।

हाल ही में जारी की गई एडवाइजरी में चेतावनी दी गई है कि ये टूल गोपनीय सरकारी डेटा और दस्तावेजों के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं।

वित्त मंत्रालय की एडवाइजरी के अनुसार, यह निर्धारित किया गया है कि ऑफिस के कंप्यूटर और डिवाइस में एआई टूल और एआई ऐप (जैसे चैटजीपीटी और डीपसीक आदि) (सरकारी) डेटा और दस्तावेजों की

गोपनीयता के लिए जोखिम पैदा करते हैं।

इससे पहले आईटी मंत्रालय ने कहा था कि डीपसीक जैसे एआई टूल्स से संबंधित गोपनीयता संबंधी चिंताओं को भारतीय सर्वरों पर ओपन-सोर्स मॉडल की मेजबानी करके प्रबंधित किया जा सकता है।

डीपसीक, एक चीनी एआई ऐप है, जो दुनिया भर में स्क्रूटनी का सामना कर रहा है। डच अधिकारियों ने हाल ही में इसकी गोपनीयता नीतियों की जांच शुरू की, जिसमें सवाल उठाया गया कि ऐप यूजर्स के पर्सनल डेटा को कैसे संभालता है। अन्य देश भी डीपसीक पर इसी तरह की जांच कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पिछले महीने कहा था कि देश छह महीने के भीतर किफायती कीमत पर अपना सुरक्षित और सुरक्षित स्वदेशी एआई मॉडल लॉन्च कर सकता है।

भारतीय एआई मॉडल आने वाले दिनों में देश को एआई समाधानों के अधिक विश्वसनीय तकनीकी पावरहाउस के रूप में उभरने में मदद करेगा। उच्च-स्तरीय सामान्य कंप्यूटिंग सुविधा द्वारा समर्थित, इंडियाएआई मिशन अब भारतीय भाषाओं का उपयोग करके घरेलू संदर्भ के लिए स्वदेशी एआई समाधानों को अनुकूलित करने के करीब है।

ओपनएआई के सह-संस्थापक और सीईओ सैम ऑल्टमैन ने बुधवार को एक कार्यक्रम में कहा कि भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का एक अहम मार्केट है और कंपनी के लिए वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा बाजार है।

ऑल्टमैन के मुताबिक, भारत एआई के लिए काफी अहम बाजार है और हमारा दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। मॉडल अभी भी सस्ते नहीं हैं। भारत को इस क्षेत्र लीडर होना चाहिए।